Maithili - Deliverance Scriptures

मत्ती 6:13 हमरा सभ कैँ पाप मे फँसाबऽ वला बात सँ दूर राखू, और दुष्ट सँ हमरा सभक रक्षा करू। [किएक तँ राज्य, शक्ति आ महिमा युगानुयुग अहींक अछि, आमीन।] (लूका 11:4)

मत्ती 8:16 साँझ पड़ला पर लोक सभ बहुतो लोक कैँ जकरा मे दुष्टात्मा छलैक यीशु लग अनलकनि। यीशु आज्ञा दऽ कऽ ओकरा सभ मे सँ दुष्टात्मा सभ कैँ निकालि देलथिन और सभ रोगी कैँ स्वस्थ कऽ देलथिन,

मत्ती 10:1 तखन यीशु अपन बारहो शिष्य कैँ बजा कऽ दुष्टात्मा सभ कैँ निकालबाक और सभ तरहक रोग-बिमारी कैँ ठीक करबाक अधिकार देलथिन। (मरकुस 3:14,15)

मत्ती 10:8 रोगी सभ कैँ स्वस्थ करू, मुइल सभ कैँ जिआउ, कुष्ठ-रोगी सभ कैँ शुद्ध करू, लोक सभ मे सँ दुष्टात्मा सभ कैँ निकालू। अहाँ सभ कैँ जे किछु भेटल अछि से अहाँ सभ बिना मूल्य पौलहुँ, तँ अहूँ सभ बिना मूल्य दिअ।

मत्ती 12:26-29 जँ शैताने शैतान कैँ निकालऽ लागत तँ मतलब भेल जे ओकरा मे फूट भऽ गेलैक, तखन ओकर राज्य कोना टिकल रहतैक? 27 ठीक अछि, जँ हम बालजबूलक शक्ति सँ दुष्टात्मा सभ कैँ निकालैत छी तँ अहाँ सभक लोक ककरा शक्ति सँ निकालैत अछि? वैह सभ अहाँ सभक फैसला करत। 28 मुदा जँ हम परमेश्वरक आत्माक शक्ति सँ दुष्टात्मा सभ कैँ निकालैत छी तँ परमेश्वरक राज्य अहाँ सभक बीच आबि गेल अछि, से जानि लिअ। 29 "वा कोनो डकैत, बलगर आदमीक घर मे पैसि कऽ जाबत तक ओ ओकरा बान्हि कऽ काबू मे नहि कऽ लेत, की ताबत तक ओकर सम्पत्ति लुटि कऽ लऽ जा सकत? बान्हि कऽ काबू मे कयलाक बादे ओकरा लुटि सकैत अछि। (मरकुस 3:23-27)

मत्ती 12:43-45 "दुष्टात्मा जखन कोनो मनुष्य मे सँ बहरा जाइत अछि तँ ओ निर्जन-स्थान मे आराम करबाक स्थानक खोज मे घुमैत रहैत अछि, मुदा ओकरा भेटैत नहि छैक। 44 तखन ओ कहैत अछि जे, 'हम अपन पहिलुके घर मे, जतऽ सँ बहरा कऽ आयल छलहुँ, ततहि फेर जायब।' तँ ओ जखन ओहिठाम पहुँचैत अछि तँ देखैत अछि जे ओहि घर मे केओ नहि अछि, घर झाड़ल-बहारल अछि, आ सभ वस्तु ढंग सँ राखल अछि। 45 तखन ओ जा कऽ अपनो सँ दुष्टाह सातटा आरो दुष्टात्मा कैँ अपना संग लऽ अनैत अछि आ ओहि घर मे अपन डेरा खसा लैत अछि। एहि तरहेँ ओहि मनुष्यक ई दशा पहिलुको दशा सँ खराब भऽ जाइत छैक। एहि भ्रष्ट पीढ़ीक लोकक संग सेहो तहिना होयतैक।"

मत्ती 15:22,26,28 ओहिठामक एक कनानी स्त्री हुनका लग आबि चिचियाय लगलनि जे, "हे प्रभु, दाऊदक पुत्र, हमरा पर दया करू! हमरा बेटी कैँ दुष्टात्मा लागल छै। ओ ओकरा बड्ड कष्ट दैत छैक।" 26 ओ उत्तर देलथिन, "बच्चा सभक लेल जे रोटी अछि तकरा कुकुरक आगाँ फेकि देब से ठीक बात नहि।" 28 तखन यीशु ओकरा कहलथिन, "हे दाइ, तोहर विश्वास बड्ड पैघ छह!

जहिना तोँ चाहैत छह, तहिना तोरा लेल होअह।” ओकर बच्ची तखने स्वस्थ भऽ गेलैक।

मत्ती 16:19 हम अहाँ कैँ स्वर्गक राज्यक कुंजी दे ब। जे किछु अहाँ पृथ्वी पर बान्हब से स्वर्ग मे बान्हल गेल रहत आ जे किछु अहाँ पृथ्वी पर खोलब से स्वर्ग मे खोलल गेल रहत।” (मत्ती 18:18)

मत्ती 17:19-21 बाद मे शिष्य सभ एकान्त मे यीशु लग आबि कऽ पुछलथिन, “हम सभ ओहि दुष्टात्मा कैँ किएक नहि निकालि सकलहुँ?” 20 ओ उत्तर देलथिन, “अहाँ सभ मे विश्वासक कमी अछि, तोँ। हम अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी जे, जँ अहाँ सभ मे सरिसोक दानो बराबरि विश्वास रहत आ एहि पहाड़ कैँ कहब जे, ‘एहिठाम सँ हटि कऽ ओतऽ जो’ तँ हटि जायत। एहन कोनो बात नहि अछि जे अहाँ सभक लेल असम्भव होयत। 21 [मुदा एहि तरहक दुष्टात्मा प्रार्थना आ उपास कैँ छोड़ि आओर कोनो दोसर उपाय सँ नहि निकालल जा सकैत अछि।]

मरकुस 1:23-26 एकाएक सभाघर मे एकटा दुष्टात्मा लागल आदमी हल्ला करऽ लागल जे, 24 “यौ नासरतक निवासी यीशु! अहाँ कैँ हमरा सभ सँ कोन काज? हमरा सभ कैँ नष्ट करऽ अयलहुँ की? हम अहाँ कैँ चिन्हैत छी। अहाँ परमेश्वरक पवित्र दूत छी।” 25 यीशु दुष्टात्मा कैँ डाँटि कऽ कहलथिन, “चुप रह! तोँ एकरा मे सँ निकल!” 26 दुष्टात्मा ओहि आदमी कैँ झकझोड़ैत आ जोर सँ चिचियाइत ओकरा मे सँ निकलि गेल।

मरकुस 1:32-34 ओही दिनक साँझ मे सूर्यास्तक बाद लोक सभ रोगी और दुष्टात्मा लागल आदमी सभ कैँ हुनका लग अनलकनि। 33 ओहि नगरक सभ लोक घरक सामने जमा भऽ गेल। 34 यीशु अनेक प्रकारक बिमारी सँ पीड़ित बहुत लोक सभ कैँ नीक कयलनि, और बहुत लोक मे सँ दुष्टात्मा सभ कैँ सेहो निकाललनि। मुदा ओ दुष्टात्मा सभ कैँ बाजऽ नहि देलथिन किएक तँ यीशु के छथि से ओकरा सभ कैँ बुझल छलैक।

मरकुस 1:39 तेँ ओ पूरा गलील प्रदेश मे घुमलाह और ओकरा सभक सभाघर सभ मे जा कऽ उपदेश देलनि, और लोक सभ मे सँ दुष्टात्मा सभ कैँ निकाललथिन।

मरकुस 5:8 ई बात ओ एहि द्वारे कहलक कि यीशु ओहि दुष्टात्मा कैँ कहैत छलाह जे, “हे दुष्टात्मा! एहि आदमी मे सँ निकल!”

मरकुस 6:7,13 ओ अपन बारहो शिष्य कैँ बजा कऽ, हुनका सभ कैँ दुष्टात्मा सभ कैँ निकालबाक अधिकार दऽ कऽ, दू-दू गोटेक समूह मे बाहर पठौलथिन। 13 बहुत लोक मे सँ दुष्टात्मा निकाललनि और बहुत रोगी पर तेल लगा कऽ ओकरा सभ कैँ स्वस्थ कयलनि।

मरकुस 9:23-25 यीशु ओकरा कहलथिन, “कोना कहैत छह जे, ‘अपने जँ कऽ सकैत छी तँ...’? विश्वास करऽ वलाक लेल सभ किछु सम्भव छैक!” 24 एहि पर लड़काक बाबू तुरत जोर सँ बाजल जे, “हम विश्वास करैत छी, हमर अविश्वास कैँ दूर कऽ दिअ।” 25 जखन यीशु देखलनि जे भीड़ हमरा सभ कैँ आब दबा देत तँ ओ दुष्टात्मा कैँ डाँटि कऽ कहलथिन, “हे बौक और बहीर वला आत्मा! हम तोरा आज्ञा दैत छिऔ जे एकरा मे सँ निकलि जो और एकरा मे फेर कहियो प्रवेश नहि कर!”

मरकुस 9:29 ओ उत्तर देलनि जे, “एहि प्रकारक दुष्टात्मा प्रार्थना कैँ छोड़ि आरो कोनो दोसर उपाय

सँ नहि निकालल जा सकैत अछि।”

मरकुस 9:38,39 तखन यूहन्ना यीशु कैँ कहलथिन, “गुरुजी, हम सभ एक आदमी कैँ अहाँक नाम लऽ कऽ दुष्टात्मा निकालैत देखलहुँ और ओकरा मना कयलिऐक किएक तँ ओ हमरा सभक संग अहाँक शिष्य नहि अछि।” 39 लेकिन यीशु कहलथिन, “हुनका मना नहि करिऔन कारण, जे हमरा नाम सँ कोनो पैघ काज करताह से जल्दी हमरा विरोध मे नहि बजताह।

मरकुस 16:17 जे सभ विश्वास करत से सभ ई चिन्ह सभ देखाओत—हमरा नाम सँ दुष्टात्मा कैँ निकालत, अनजान भाषा मे बाजत,

लूका 4:18 “प्रभुक आत्मा हमरा पर छथि; किएक तँ ओ गरीब सभ कैँ शुभ समाचार सुनयबाक लेल हमर अभिषेक कयने छथि। ओ हमरा पठौलनि अछि जे हम कैदी सभक लेल मुक्तिक घोषणा करी, आन्हर सभ कैँ कहिऐक जे, ‘तोँ सभ आब देखि सकैत छह,’ सताओल लोक सभ कैँ छुटकारा दिआबी (यशैया 61:1)

लूका 4:34-36 “यौ! नासरतक निवासी यीशु! अहाँ कैँ हमरा सभ सँ कोन काज? हमरा सभ कैँ नष्ट करऽ अयलहुँ की? हम अहाँ कैँ चिन्हैत छी। अहाँ परमेश्वरक पवित्र दूत छी।” 35 यीशु दुष्टात्मा कैँ डाँटि कऽ कहलथिन, “चुप रह! तोँ एकरा मे सँ निकल!” तखन ओ दुष्टात्मा ओहि आदमी कैँ सभक सामने मे पटकि देलकैक आ बिनु हानि पहुँचौने ओकरा मे सँ निकलि गेल। 36 एहि पर सभ लोक चकित होइत एक-दोसर कैँ कहऽ लागल जे, “ई केहन उपदेश अछि? ई आदमी शक्ति आ अधिकारक संग दुष्टात्मा सभ कैँ आज्ञा दैत छथि और ओ सभ निकलि जाइत अछि!”

लूका 4:41 बहुत लोक मे सँ दुष्टात्मा सभ सेहो एना चिकरि कऽ कहैत निकलि आयल जे, “अहाँ परमेश्वरक पुत्र छी!” मुदा ओ ओहि दुष्टात्मा सभ कैँ डँटलथिन आ बाजऽ नहि देलथिन, कारण ओ सभ जनैत छल जे ई उद्धारकर्ता-मसीह छथि।

लूका 7:21 ओही काल मे यीशु बहुत लोक कैँ बिमारी, पीड़ा और दुष्टात्मा सभ सँ मुक्त कऽ देलथिन, और बहुत आन्हर सभ कैँ देखबाक शक्ति देलथिन।

लूका 8:29 ओ ई बात एहि लेल कहलकनि जे यीशु दुष्टात्मा कैँ ओकरा मे सँ बहरयबाक आज्ञा देने छलथिन। ओ दुष्टात्मा ओकरा बहुत बेर पकड़ने छलैक, और लोक ओकरा जिंजीर सँ हाथ-पयर बान्हि कऽ पहरा मे रखैत छल, मुदा ओ जिंजीर सभ कैँ तोड़ि-ताड़ि लैत छल, और दुष्टात्मा ओकरा सुन-सान क्षेत्र सभ मे लऽ जाइत छलैक।

लूका 9:40 हम अपनेक शिष्य सभ सँ एहि दुष्टात्मा कैँ निकालबाक लेल विनती कयलियनि, मुदा ओ सभ नहि निकालि सकलाह।”

लूका 10:17-20 ओ बहत्तरि लोक सभ जखन अपन प्रचारक काज कऽ कऽ अयलाह तँ बहुत खुशीपूर्बक बजलाह, “प्रभुजी, अहाँक नामक शक्ति सँ दुष्टात्मा सभ सेहो हमरा सभक बात मानलक।” 18 यीशु उत्तर देलथिन, “हम शैतान कैँ बिजुली जकाँ आकाश सँ खसैत देखलहुँ। 19 हँ, हम अहाँ सभ कैँ साँप और बीछ कैँ पिचबाक सामर्थ्य और शत्रुक समस्त शक्ति पर अधिकार देने छी। कोनो वस्तु अहाँ सभक हानि नहि कऽ सकत। 20 तैयो, एहि लेल आनन्द नहि मनाउ जे दुष्टात्मा सभ अहाँ सभक बात मानैत अछि, बल्कि एही लेल आनन्दित होउ जे अहाँ सभक नाम

स्वर्ग मे लिखायल अछि।”

लूका 11:14 एक बेर यीशु एक बौक दुष्टात्मा कैँ एक आदमी मे सँ निकालि रहल छलाह। दुष्टात्मा जखन निकलि गेल तँ बौक आदमी बाजऽ लागल। ई देखि लोक सभ चकित भऽ गेल।

लूका 11:20-22 मुदा जँ हम परमेश्वरक शक्ति सँ दुष्टात्मा निकालैत छी तँ ई जानि लिअ जे परमेश्वरक राज्य अहाँ सभ लग पहुँचि गेल अछि। 21 “जखन कोनो बलगर आदमी हाथ-हथियार सँ लैस भऽ कऽ अपन घरक रखबारी करैत अछि तँ ओकर धन-सम्पत्ति सुरक्षित रहैत छैक। 22 मुदा जखन ओकरो सँ बलगर कोनो दोसर आदमी ओकरा पर आक्रमण कऽ कऽ ओकरा पराजित करैत छैक, तँ ओ ओकर सभ हथियार जाहि पर ओकरा पूरा भरोसा रहैत छैक, से छिनि लैत अछि आ ओकर सम्पत्ति लुटि कऽ अपना संगी सभ मे बाँटि दैत अछि।

लूका 13:32 ओ उत्तर देलथिन, “जा कऽ ओहि नढ़िया कैँ कहि दिऔक जे, हम आइ और काल्हि दुष्टात्मा निकालबाक और बिमार लोक सभ कैँ नीक करबाक अपन काज करैत रहब, और परसू हम अपन लक्ष्य पूरा करब।

यूहन्ना 14:12 हम अहाँ सभ कैँ सत्ये कहैत छी जे, हमरा पर विश्वास कयनिहार सेहो वैह काज सभ करत जे हम करैत छी, और एहू सँ पैघ काज करत, कारण हम पिता लग जा रहल छी।

यूहन्ना 17:15 हम ई प्रार्थना नहि करैत छी जे अहाँ हिनका सभ कैँ संसार मे सँ उठा लिअ, बल्कि ई जे हिनका सभ कैँ दुष्ट सँ बचा कऽ राखू।

मसीह-दूत 10:38 कोना नासरत-निवासी यीशु कैँ परमेश्वर अपना पवित्र आत्मा आ सामर्थ्य सँ परिपूर्ण कयलथिन, आ कोना ओ सभतरि घूमि-घूमि कऽ भलाइक काज करैत छलाह और शैतान सँ पीड़ित लोक सभ कैँ स्वस्थ कऽ दैत छलाह। ई काज सभ ओ एहि लेल कऽ सकलाह जे परमेश्वर हुनका संग छलथिन।

मसीह-दूत 16:17,18 ओ पौलुस आ हमरा सभक पाछाँ-पाछाँ आबि कऽ चिचियाय लागल, “ई सभ परम परमेश्वरक सेवक छथि और अहाँ सभ कैँ उद्धारक बाटक विषय मे सुना रहल छथि।” 18 ओ बहुत दिन धरि एहिना करैत रहल। अन्त मे पौलुस एक दिन तंग भऽ कऽ ओकरा दिस तकैत ओहि दुष्टात्मा कैँ कहलथिन, “हम तोरा यीशु मसीहक नाम सँ आज्ञा दैत छिऔ जे तोँ एकरा मे सँ निकल!” तखने ओ दुष्टात्मा ओहि बच्ची मे सँ निकलि गेल।

मसीह-दूत 19:11,12 परमेश्वर पौलुसक माध्यम सँ बहुत अद्भुत चमत्कार करैत छलाह। 12 लोक सभ रुमाल आ अंगपोछा हुनका देह मे छुआ कऽ अस्वस्थ लोक सभ लग लऽ जाइत छल, तँ ओ सभ अपना बिमारी सँ मुक्त भऽ जाइत छल आ दुष्टात्मा सभ ओकरा सभ मे सँ निकलि जाइत छलैक।

मसीह-दूत 26:15-18 तखन हम पुछलियनि, ‘प्रभु, अहाँ के छी?’ प्रभु हमरा उत्तर देलनि, ‘हम यीशु छी, जिनका तोँ सता रहल छह। 16 आब उठह! पयर पर ठाढ़ होअह, कारण हम तोरा एहि लेल दर्शन देने छिअह जे हम तोरा अपन सेवक आ गवाह नियुक्त करी। तोँ हमरा विषय मे जे देखने छह आ बाद मे जे किछु हम तोरा देखयबह, ताहि सभक सम्बन्ध मे तोरा गवाही देबाक छह। 17 हम तोहर अपन लोकक हाथ सँ और गैर-यहूदी लोक सभक हाथ सँ सेहो तोरा बचयबह। हम तोरा ओकरा सभ लग एहि लेल पठा रहल छिअह जे 18 तोँ ओकरा सभक आँखि खोलह और ओकरा

सभ कैँ अन्हार सँ इजोत मे, अर्थात् शैतानक राज्य सँ परमेश्वर लग, घुमाबह, जाहि सँ हमरा पर विश्वास कयला सँ ओ सभ पापक क्षमा प्राप्त करय आ परमेश्वरक पवित्र कयल लोकक संग उत्तराधिकारी बनय।'

रोमी 16:20 शान्तिदाता परमेश्वर बहुत जल्दी शैतान कैँ अहाँ सभक पयरक तर मे थुरबौताह। अपना सभक प्रभु यीशुक कृपा अहाँ सभ पर बनल रहय।

2 कोरिन्थी 2:11 जाहि सँ शैतान अपना सभक स्थिति सँ लाभ नहि उठाबय। अपना सभ शैतानक चालि सँ अनजान नहि छी।

गलाती 1:4 मसीह अपना सभक पापक प्रायश्चित्तक लेल अपना कैँ अर्पित कयलनि जाहि सँ एहि वर्तमान पापमय संसारक वश सँ अपना सभ कैँ बचबथि। ई अपना सभक पिता परमेश्वरक इच्छाक अनुसार भेल,

इफिसी 4:27 शैतान कैँ अवसर नहि दिऔक!

इफिसी 6:11 परमेश्वर सँ भेटल सम्पूर्ण अस्त्र-शस्त्र धारण करू जाहि सँ शैतानक छल-कपट वला चालि सभक सामना कऽ सकी।

2 थिसलुनिकी 3:2,3 और ई प्रार्थना करू जे भ्रष्ट आ दुष्ट लोक सभ सँ हमरा सभक रक्षा होइत रहय, कारण, सभ लोक वचन सुनि विश्वास नहि करैत अछि। 3 मुदा प्रभु विश्वासयोग्य छथि। ओ अहाँ सभ कैँ दृढ़ बनौने रहताह आ दुष्ट शैतान सँ अहाँ सभ कैँ सुरक्षित रखताह।

2 तिमुथियुस 2:26 जाहि सँ ओ सभ होश मे आबि शैतानक ओहि फाँस सँ निकलि जाय, जाहि मे फँसा कऽ शैतान ओकरा सभ सँ अपन इच्छा पूरा करयबाक लेल ओकरा सभ कैँ अपन गुलाम बना लेने छैक।

2 तिमुथियुस 4:18 रभु हमरा दुष्ट सभक हर षड्यन्त्र सँ बचौताह आ अपन स्वर्गीय राज्य मे सुरक्षित लऽ जयताह। हुनकर गुणगान युगानुयुग होइत रहनि। आमीन।

1 पत्रुस 5:8 अहाँ सभ अपना पर काबू राखू आ सचेत रहू। अहाँ सभक दुश्मन शैतान गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत-फिरैत एहि ताक मे रहैत अछि जे ककरा फाड़ि कऽ खा ली।

1 यूहन्ना 4:4 ई बात हम सभ एहि लेल लिखैत छी जाहि सँ हमरा सभक आनन्द पूर्ण होअय।

गन्ती 10:35 God arise and enemy scatter.

व्यवस्था 23:5 God turn curse into blessing (नहेम्याह 13:2)

भजन 44:4 God command deliverance for Jacob.

Pastor T. John Franklin
Church of Salvation, Healing, and Deliverance
COS-HAD.org